'कर्म के साथ अर्जित की गई विद्या ही शिक्षा है'

सांची विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन

नई शिक्षा नीति पर शिक्षकों ने रखे अपने विचार

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बेहद सादगी से शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में आयोजित किए गए इस शिक्षक दिवस कार्यक्रम पर कोविड-19 का प्रभाव दिखाई दिया। छात्रों के बगैर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने नई शिक्षा नीति से जोड़कर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। भारतीय दर्शन के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन दीक्षित ने विष्णु पुराण में उल्लेख किए गए श्लोक के माध्यम से बताया कि शिक्षा दरअसल कर्म के साथ अर्जित की गई विद्या है। उन्होंने कहा कि विष्णु पुराण के इस श्लोक के अनुसार सर्वश्रेष्ठ कर्म वह है जो बंधन में न डाले और सर्वश्रेष्ठ विद्या वह है जिससे मुक्ति की प्राप्ति हो। डॉ दीक्षित ने ज्ञान के तीन आयामों - श्रवण, मनन और विद्यासन का भी ज़िक्र किया।

वैकल्पिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर पांडे ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। उन्होंने नई शिक्षा नीति में सम्मिलित किए गए गुणवत्ता, सार्वभौमिकरण और सर्वसमावेशी विषयों पर चर्चा की।

संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ विश्वबंधु का कहना था कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहा जाना उचित होगा। उनका कहना था कि कालीदास के महाकाव्य में भी स्पष्ट उल्लेखित किया गया है कि शिक्षक को कैसा होना चाहिए।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर ओ पी बुधौलिया ने बताया कि ज्ञान दरअसल समय और अनुभव का मिश्रण है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में शिक्षक को सर्वोपरि रखा गया है।

नवदुनिया
रायसेन पेज
दिनांक 06/09/2020

कार्यक्रम | **शिक्षक दिवस पर सांची विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन**

सर्वश्रेष्ठ विद्या वह है जिससे मुक्ति की प्राप्ति हो: डॉ. दीक्षित

सांची विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के आयोजन के दौरान मौजूद शिक्षक। ● नवदुनिया

सांची (नवदुनिया प्रतिनिधि)। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान' अध्ययन विश्वविद्यालय में सादगी से शनिवार को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में आयोजित किए गए शिक्षक दिवस के कार्यक्रम पर कोविड-19 का प्रभाव दिखा।

छात्रों के बगैर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने नई शिक्षा नीति से जोड़कर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। भारतीय दर्शन के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन दीक्षित ने विष्णु पुराण में उल्लेख किए गए श्लोक के माध्यम से बताया कि शिक्षा दरअसल कर्म के साथ अर्जित की गई विद्या है। उन्होंने कहा कि विष्णु पुराण के इस श्लोक के अनुसार सर्वश्रेष्ठ कर्म वह है जो बंधन में न डाले और सर्वश्रेष्ठ विद्या वह है जिससे मुक्ति की प्राप्ति हो। डॉ. दीक्षित ने ज्ञान के [illegible]न आयामों-श्रवण, मनन और विद्यासन का भी जिक्र किया। वैकल्पिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर पांडे ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। उन्होंने नई शिक्षा नीति में सम्मिलित किए गए गुणवत्ता, सार्वभौमिकरण और सर्वसमावेशी विषयों पर चर्चा की।

संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विश्वबंधु का कहना था कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहा जाना उचित होगा। उनका कहना था कि कालीदास के महाकाव्य में भी स्पष्ट उल्लेखित किया गया है कि शिक्षक को कैसा होना चाहिए। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर ओपी बुधौलिया ने बताया कि ज्ञान दरअसल समय और अनुभव का मिश्रण है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में शिक्षक को सर्वोपरि रखा गया है।

सांची विश्वविद्यालय में 22 सितंबर से ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित

- **घर बैठे ही ऑनलाइन परीक्षाएं देंगे छात्र**
- **उत्तर पुस्तिका परीक्षा शाखा के ईमेल पर अपलोड करनी होगी**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 22 सितंबर से ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने इसके लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। परीक्षा शाखा तथा विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षकों ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त छात्रों से संपर्क कर लिया है और उन्हें इस ओपन बुक परीक्षा के में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने को कहा है। परीक्षा शाखा सभी छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा में सम्मिलित होने के तरीके के बारे में सूचित कर रही है। इस ऑनलाइन परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 20 सितंबर है।

22 सितंबर को टाइम टेबिल के अनुसार विभागवार प्रश्न पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। छात्रों को इस प्रश्नपत्र के आधार पर अपने स्वयं के ए-4 आकार के एक समान पेपरों पर इन प्रश्नपत्रों को हल करना होगा। 11 बजे से 2 बजे तक का समय परीक्षार्थी को उत्तर लिखने के लिए दिया जाएगा। इसके बाद एक घंटे का समय उत्तर पुस्तिका के सभी 16 पेजों को स्कैन करके विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। छात्रों को उत्तर पुस्तिका के सभी पृष्ठों को पी.डी.एफ फॉर्मेट में स्कैन कर परीक्षा शाखा द्वारा प्रदाय अपलोड करना होगा। सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की परीक्षा का समय 11 बजे से 1 बजे तक होगा।

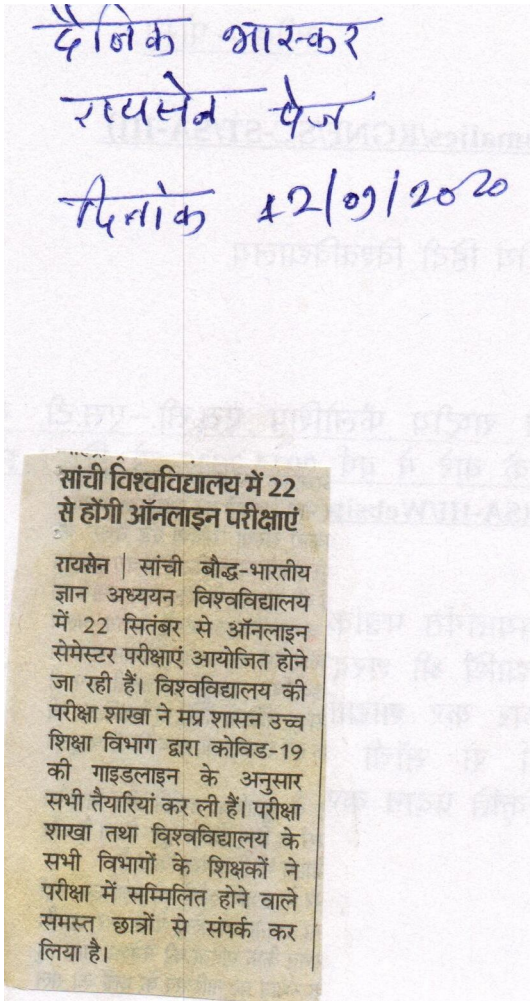

दैनिक भास्कर
रायसेन पेज
दिनांक 22/09/2020

सांची विश्वविद्यालय में 22 से होंगी ऑनलाइन परीक्षाएं

रायसेन | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 22 सितंबर से ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कोविड-19 की गाइडलाइन के अनुसार सभी तैयारियां कर ली हैं। परीक्षा शाखा तथा विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षकों ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त छात्रों से संपर्क कर लिया है।

रायसेन दैनिक भास्कर
दिनांक 22/9/2020

सांची विवि में ऑनलाइन परीक्षाएं आज से घर पर ही पेपर हल करेंगे छात्र-छात्राएं

उत्तर पुस्तिका परीक्षा शाखा के ईमेल पर अपलोड करनी होगी

रायसेन | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 22 सितंबर से ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कोविड-19 की गाइडलाइन के अनुसार सभी तैयारियां कर ली हैं। परीक्षा शाखा तथा विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षकों ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त छात्रों से संपर्क कर लिया है और उन्हें इस ओपन बुक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने को कहा है। परीक्षा शाखा सभी छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा में सम्मिलित होने के तरीके के बारे में सूचित कर रही है।

टाइम टेबल के अनुसार 22 सितंबर को विभागवार प्रश्न पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। छात्रों को इस प्रश्नपत्र के आधार पर अपने स्वयं के ए-4 आकार के एक समान पेपरों पर इन प्रश्नपत्रों को हल करना होगा। 11 बजे से 2 बजे तक का समय परीक्षार्थी को उत्तर लिखने के लिए दिया जाएगा। इसके बाद एक घंटे का समय उत्तर पुस्तिका के सभी 16 पेजों को स्कैन करके विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा।

रायसेन पत्रिका दिनांक 22/9/2020

सांची विवि में 22 सितंबर से ऑनलाइन परीक्षाएं

रायसेन. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 22 सितंबर से ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कोविड-19 की गाइडलाइन के अनुसार सभी तैयारियां कर ली हैं। परीक्षा शाखा तथा विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षकों ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त छात्रों से संपर्क कर लिया है और उन्हें इस ओपन बुक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने को कहा है। परीक्षा शाखा सभी छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा में सम्मिलित होने के तरीके के बारे में सूचित कर रही है। परीक्षा का समय 11 बजे से 1 बजे तक होगा।

साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय

पौधारोपण कार्यक्रम 17 सितंबर 2020

प्रतिवेदन

मध्य प्रदेश की राज्यपाल महोदया माननीया श्रीमती आनंदी बेन पटेल द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय परिसर, ग्राम बारला, जिला रायसेन में दिनांक 17 सितंबर, 2020 को प्रात: 11 बजे पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया
गया।

पौधा रोपण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा ग्राम बारला स्थित विश्वविद्यालय परिसर में 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय उद्यानिकी शाखा के सहायक निदेशक डॉक्टर कृपाल सिंह वर्मा द्वारा प्रकृति में पेड़ों के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर सहभागिता की। परिसर में छायादार प्रकृति, फूलवाले एवं औषदीय महत्व के पौधे लगाए गए। ये सभी पौधे विश्वविद्यालय की उद्यानिकी में ही तैयार किये गए थे। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों ने मास्क लगाया हुआ था।

पौधरोपण हेतु कर्मचारियों द्वारा ही गड्ढे तैयार किये गए एवं पौधरोपण उपरांत सभी कर्मचारियों ने अपने द्वारा रोपित किये गए पौधे पर पानी डाला।

सहायक निदेशक उद्यानिकी द्वारा सभी आमंत्रितों का आभार व्यक्त किया गया।